Bihar Board Class 7 Hindi Notes Chapter 1 मानव बनो

मानव बनो Summary in Hindi

कविता का अर्थ:

है भूल करना भी ..... मानव जरा।
अर्थ – प्यार करना भी भूल है। किसी को मनाना भी भूल है। लेकिन ___ सबसे बड़ी भूल है किसी का आसरा करना । हे मानव ! जरा मानव तो बनो।

अब अश्रु दिखलाओ ..... मानव जरा।
अर्थ – हे मानव ! किसी के सामने मत रोना, किसी के सामने हाथ भी मत फैलाना । अब एक हुँकार कर दो जिससे पृथ्वी काँप जाय । हे मानव जरा मानव तो बनो।

उफ, हाय कर देना ..... मानव जरा।
अर्थ – उफ या हाय करना अर्थात् हार मान लेना मनुष्य को शोभा नहीं देता है। अपनी भूल पर आँसू बहाना भी मनुष्य का कर्म नहीं है। अगर ये आँसू बहे भी तो इन आँसूओं से विश्व का कण-कण सींच दो, जिससे वह हरा हो जाय।

अब हाथ मत अपने ..... मानव जरा।
अर्थ-अपनी भूल पर पछताना या बेवसी दिखाना मानव का कर्तव्य नहीं। जलना हो तो ऐसा जलो कि तुम्हारे हृदय की भस्म से धरती उपजाऊ हो जाये । हे मानव ! जरा मानव तो बनो ।

evidyarthi

https://www.evidyarthi.in/